>

Title: Need to repair National Highway Nos. 31, 31C and 31D with 55.

श्री मनोहर तिरकी (अलीपुरद्वार): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक जनहित के मामले को उठाना चाहता हूं और सरकार से व्यवस्था ग्रहण करने के लिए अनुरोध करता हूं।

महोदय, राष्ट्रीय राजमार्ग 31 जो हम लोगों की लाइफ लाइन है, वह मेरे क्षेत्र को ही नहीं, लेकिन हमारे आठ राज्यों-- असम, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और साथ ही पड़ोस देश भूटान और नेपाल को जोड़ती है। यह रास्ता बहुत खराब है। इसे फोर लेन बनाने की बात हुई थी। असम और बिहार साइड में कुछ काम हो गया, लेकिन बीच में काम रुका हुआ है। इस काम का डायवर्शन कर दिया गया है। जो रूट था, उसे दूसरी तरफ कर दिया गया है। उसमें निर्णय लिया गया है कि 31 सी और 31 डी, इसमें 31 डी की अवस्था बहुत खराब है। उसकी न राज्य सरकार मरम्मत करती है न मिनिस्ट्री ऑफ सर्फेस ट्रांसपोर्ट करती है। ...(व्यवधान) बरसात में हालत बहुत खराब होती है। वहां ट्रेन की सहुलियत बहुत कम है, इसलिए सड़क पर ही निर्भर रहना पड़ता है। वहां हालत बहुत खराब है, इसलिए इस पर जल्दी से जल्दी अमल किया जाये। वहां लोगों को जाने में काफी तकलीफ होती है।

दूसरा, 55 नम्बर जो राष्ट्रीय राजमार्ग दार्जिलिंग को जोड़ता है, वह बिल्कुल टूट गया है। दो-तीन साल से उसकी कोई मरम्मत नहीं हो रही है, कोई देख-रेख नहीं हो रही है। वहां टूरिस्ट्स नहीं जा सकते। वहां की जनता अपेक्षा करती है कि हमें छोड़ा जा रहा है। आज वहां गोरखालैंड और दूसरे आंदोलन हो रहे हैं, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि 55 नम्बर के साथ-साथ 31 सी और 31डी राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, उनकी जल्दी से जल्दी मरम्मत करके चलने लायक बनाया जाये।